चंद्रयान-3

में अपना बहुमूल्य योगदान
देने के लिए
इसरो साइंटिस्ट

डॉ. नीरज सत्या जी

पूर्व छात्र आरकेडीएफ
2000 बैच

RKDF UNIVERSITY
ERUDIO GLORIFICATE
GENS
Education Glorifies Nation

दैनिक भास्कर
हमारे वैज्ञानिकों को भास्कर का नमन...
विज्ञान हमारा स्वाभिमान... इनके दम से आज चांद पर तिरंगा

दैनिक भास्कर इंदौर 24-08-2023

इस सफलता को हमने भी दिशा दी
टेम्परेचर कंट्रोल, नेविगेशन, मॉनिटरिंग तक में जुटे थे प्रदेश के 5 वैज्ञानिक...

• डॉ. नीरज सत्य, खरगोन... गोगावां के नीरज थर्मल डिजाइन के प्रोजेक्ट मैनेजर थे। टेम्परेचर कंट्रोल करना इनकी जिम्मे था। वे तीनों मिशन का हिस्सा रहे हैं।

हमें गर्व है
समस्त
इसरो isro
टीम पर

दैनिक भास्कर भोपाल 25-08-2023

मून मिशन • इसरो में 15 साल से अपनी सेवाएं दे रहे हैं नीरज

चंद्रयान-3 : भोपाल से पढ़े नीरज थे थर्मल डिजाइनर के प्रोजेक्ट मैनेजर, सिस्टम का तापमान नियंत्रित रखा

नीरज तीनों चंद्रयान मिशन का हिस्सा रहे

सिटी रिपोर्टर। भोपाल

चंद्रयान-3 ने बुधवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर भारत का कद दुनिया में और बढ़ा दिया। इस मिशन को सफल बनाने में इसरो के वैज्ञानिकों ने दिन-रात एक कर दिए। चंद्रयान-3 मिशन को सफल बनाने वाले वैज्ञानिकों की टीम में नीरज सत्य ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आरकेडीएफ भोपाल से 2000 बैच के पास आउट नीरज मूलतः खरगोन जिले के गोगावा के रहने वाले है। नीरज तीनों चंद्रयान मिशन का हिस्सा रहे।

गौरतलब है कि इसरो में 15 साल से अपनी सेवाएं दे रहे नीरज चंद्रयान-3 मिशन के लिए बनी लीडिंग टीम में शामिल थे। नीरज थर्मल डिजाइनर के प्रोजेक्ट मैनेजर रहे। मिशन में उनका काम स्पेस क्राफ्ट के सिस्टम का तापमान नियंत्रित करना था। इसको उन्होंने बखूबी अंजाम दिया। उन्होंने टेस्ट साफ्टवेयर प्रोग्रामिंग की तथा थर्मल प्रोजेक्ट को पहले की अपेक्षा और बेहतर किया।

परिवार का मिला पूरा सहयोग, उत्साह बढ़ाया

जहां नीरज ने चंद्रायन-3 मिशन के लिए लगातार 14-15 घंटे लैब्स और ऑफिस में कार्य किया, वहीं उनकी पत्नी प्रतीक्षा सत्य ने उन्हें लगातार प्रेरणा दी और घर परिवार की जिम्मेदारियों को भी संभाला। नीरज की मां ललिता देवी और भाई अजय व धीरज ने हमेशा नीरज का प्रोत्साहवर्धन किया। नीरज के पिता स्वर्गीय विश्वनाथ सत्य भी उन्हें हमेशा प्रोत्साहित करते थे। परिवार का उनको भरपूर सहयोग मिला।